मानसून की तैयारी में जुटा स्वायत्त शासन विभाग–

बारिश के मद्धेनज़र जलभराव वाले क्षेत्रों को चिन्हित कर पहले से तैयारी रखने के दिये दिशा निर्देश

जयपुर, 4 जुलाई। राज्य में मानसून के चलते हो रही भारी बारिश को देखते हुए, स्थानीय निकाय विभाग (डीएलबी) ने सभी अधिकारियों को महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं, जिनका उद्देश्य शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी) में व्यापक तैयारी और सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करना है। डीएलबी निदेशक, श्री सुरेश कुमार ओला ने सभी अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सभी अधिकारियों को अगले 72 घंटों में होने वाली भारी बारिश के लिए सतर्क और तैयार रहना है।

मौसम के पूर्वानुमानों की बारीकी से निगरानी करना और तदनुसार आपातकालीन सेवाओं को सक्रिय करना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि नालों के आसपास कर्मचारियों और संसाधनों की उचित तैनाती की जाये। अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है कि जलभराव को रोकने और शहरी क्षेत्रों में बाढ़ के जोखिम को कम करने के लिए नालों को साफ रखा जाए। साथ ही अधिकारियों को स्वयं से संबंधित शहरी स्थानीय निकायों में बहुत पुरानी इमारतों की पहचान करने के लिए गहन सर्वेक्षण करना चाहिए। इस पहल का उद्देश्य संरचनात्मक स्थिरता का आकलन करना और प्रतिकूल मौसम के दौरान संभावित खतरों से बचाव के लिए आवश्यक सावधानी बरतना है।

श्री ओला ने निर्देश दिए कि टोर्च, मिट्टी के पंपों एवं अन्य आपातकालीन उपकरणों की उपलब्धता को बनाए रखना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आवश्यक संसाधनों के पर्याप्त प्रावधानों की सावधानीपूर्वक योजना बनाई जाए और उन्हें आसानी से उपलब्ध कराया जाए। इसमें मानसून से संबंधित किसी भी घटना के त्वरित प्रतिक्रिया और प्रभावी प्रबंधन के लिए आवश्यक सभी उपकरणों की परिचालन तत्परता सुनिश्चित करना शामिल है।

श्री ओला ने सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने और मानसून में बारिश के कारण होने वाले व्यवधानों को कम करने में सक्रिय उपायों के महत्व को रेखांकित किया। डीएलबी इन निर्देशों को प्रभावी ढंग से लागू करने और तैयारियों के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए शहरी स्थानीय निकायों के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध है।

————

कुणाल/ऋचा